हिन्दुस्तान

तरक्की को चाहिए नया नजरिया

सोमवार, 27 अगस्त 2018 रांची, वर्ष 18, अंक 200, 20 पेज, पांच प्रदेश, 21 संस्करण

www.livehindustan.com

रघुवर दास ने समावेशी न्याय सदन का किया उद्घाटन, विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर का भी हुआ आयोजन

गरीब को गरिमा के साथ जीने का हकः सीएम

रांची | हिन्दुस्तान ब्यूरो

विकास की बात

अगले एक महीने में शुरू होगा स्कूल

परिसंपत्ति का वितरण किया गया

खबर मन्त्र

27 अगस्त 2018 web: www.khabarmantra.com

राज काज

www.epaper.khabarmantra.com खबर मन्त्र

नामकुम के बड़ाम गांव में सीएम ने किया समावेशी न्याय सदन का उद्घाटन, कहा

समावेशी विकास से अंत्योदय संभव

लोकतंत्र की सफलता में सबकी भूमिका अहम

खबर मन्त्र ब्यूरो

समावेशी न्याय सदन का उद्घाटन करते सीएम, चीफ जस्टिस व अन्य

आजीविका सखी मंडल ... को चेक प्रदान करते सीएम और अन्य

लंबित वादों को कम करने में कारगर : चीफ जस्टिस

स्वच्छ भारत मिशन ने चलाया अभियान

नामकुम : मुख्य न्यायाधीश भी स्वच्छता के बंधन में बंधे

नामकुम के बड़ाम में सखी मंडल की बहनों ने भाई की कलाई पर बांधी राखी

शौचालय निर्माण कारीगरों को राखी ...

RANCHI, MONDAY AUGUST 27, 2018; PAGES 16 ₹3

the pioneer

www.dailypioneer.com

3 wings of democracy must respect each other: CM

Benefits of schemes worth ₹75 crore distributed among 20 L people

PNS ■ RANCHI

State government on Sunday provided benefits of government schemes to 20 lakh people of State during a legal empowerment camp held in Jasaidi village near Capital city on Sunday. The benefits worth Rs 75 crores were provided under various heads including scholarship, victim compensation scheme and other social welfare schemes.

Chief Minister Raghubar Das inaugurated the legal empowerment camp in the presence of Deputy Speaker of Rajya Sabha Harivansh, Chief Justice of Jharkhand High Court Aniruddha Bose, Rajya Sabha MP Parimal Nathwani and other dignitaries.

The CM also inaugurated Samaveshi Nyay Kendra which is a unit to give judicial and executive services at the village level in the function.

Addressing the gathering Das said there was need for coordination among the three wings of democracy for providing benefit to the people. He said that legislature, judiciary and the executive should respect each other.

The CM said that many poor people particularly the tribals were unable to get benefits of the government schemes due to lack of awareness.

He mentioned that government would launch health insurance scheme on September 25, the birth anniversary of Pandit Deen Dayal Upadhyay, with the aim to cover 57 lakh families under the plan. He expressed hope that Nyay Kendra would spread awareness about the schemes among the rural people.

Speaking on the occasion, deputy speaker of Rajya Sabha Harivansh stated that the Nyay Kendra would help provide quality justice to the people. He added that legal empowerment camp was being held on mission mode in the State adding that it has been organised at four places in state earlier.

Chief Justice of Jharkhand High Court Aniruddha Bose said now the courts are taking the legal services to doors of the people. "Legal service movement which has been structured through legal services authorities, come in as the courts with the prevailing number of judges and the number of litigation and grievances could not conclude all the litigations within a reasonable period of time," he said.

He said that JHALSA was one of the best performing legal service organisations in the country. Justice Bose opined now court was trying to take justice to people instead of people coming to the court adding the Nyay Kendra was one of the mediums to achieve it.

Chief Minister Raghubar Das alongwith Chief Justice of Jharkhand High Court Aniruddha Bose handing over appointment letter to Manoj Mahto during inaugural ceremony of the Samaveshi Nyay Sadan at Jasaidi village near Ranchi on Sunday. Deputy Speaker of Rajya Sabha Harivansh, Justice DN Patel and others are also seen in the picture. Pioneer

"Court should be accessible to all. Society would lose if everyone does not think that law is there for them. All are equally protected by law," he added.

MP Parimal Nathwani requested the CM to take steps for starting the school in the village whose building was completed long ago. Justice DN Patel detailed on the works of the Nyay Kendra and the legal empowerment camps.

The CM, Harivansh and Justice Bose jointly transferred scholarship worth Rs 18.86 crore to 1,60,595 students through direct benefit transfer scheme in the function. Among the beneficiaries were victims of LWE violence who were provided jobs and cash compensation.

Judges of high court including Justice HC Mishra, Justice SN Pathak Justice AK Choudhary Justice Anubha Rawat Choudhary, Justice Ratnakar Bhengra, Justice Rajesh Shankar, Justice BB Mangalmurti, Registrar General Ambuj Nath and district officials were present in the function.

झारखंड का सर्वाधिक प्रसारित दैनिक

अखबार नहीं आंदोलन

प्रभात खबर

आदर्श ग्राम बड़ाम के जरा टोली में मुख्यमंत्री ने समावेशी न्याय सदन का किया उद्घाटन, कहा

कार्यपालिका, न्यायपालिका, विधायिका और मीडिया के समन्वय से होगा राज्य का विकास

मुख्यमंत्री ने कहा

लोगों को लोककल्याणकारी योजनाओं की पूरी जानकारी नहीं होती, इसलिए राशि करती है लैप्स

नक्सवाणी की शिकायत, सीएम ने किया समाधान

सर्वोदय की जमीन का पता लगायें : हरिवंश

क्या है समावेशी न्याय सदन

20 लाख लाभुकों के बीच बंटी 70 करोड़ की संपत्ति

आप पढ़ रहे हैं देश का एकमात्र नो निगेटिव अखबार

दैनिक भास्कर

विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर व समावेशी न्याय सदन का सीएम ने किया उद्घाटन

झारखंड से शुरू होगी दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना

पॉलिटिकल रिपोर्टर | रांची

मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती पर 25 सितंबर को पूरे देश में प्रधानमंत्री आरोग्य योजना 'आयुष्मान भारत' शुरू होगी। झारखंड सरकार का प्रयास है कि दुनिया की सबसे बड़ी इस स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों झारखंड से हो। इससे राज्य के 57 लाख परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा। किसी भी गरीब की दवा के अभाव में मौत नहीं होगी। वे देश के किसी भी अस्पताल में इलाज करा सकेंगे।

मुख्यमंत्री रविवार को नामकुम के बड़ाम में विधिक सेवा सशक्तीकरण शिविर एवं समावेशी न्याय सदन के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि आज उत्सव का दिन है। राखी भाई-बहन के प्रेम का पर्व है। झारखंड की तमाम बहनों की सुरक्षा की जिम्मेदारी मेरी है और मैं इसका संकल्प लेता हूं। उन्होंने कहा कि सात नवंबर 2016 को समावेशी न्याय सदन का शिलान्यास हुआ और 21 माह बाद इसका उद्घाटन हुआ।

झारखंड के 26 किसान इजराइल रवाना | पढ़ें पेज 4 पर

दिव्यांग दशरथ को दिया राशन कार्ड तो पूछा-दुकान कैसे जाएंगे, मुख्यमंत्री ने तुरंत दिया व्हील चेयर

दिव्यांग दशरथ नायक को मुख्यमंत्री रघुवर दास ने राशन कार्ड दिया। दशरथ ने पूछा-हुजूर, राशन दुकान तक कैसे जाएंगे। सीएम ने डीसी से तत्काल व्हील चेयर मंगाया और दशरथ को दे दिया। इस मौके पर झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अनिरुद्ध बोस, जस्टिस डीएन पटेल और राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश मौजूद थे।

चीफ जस्टिस बोले-समावेशी न्याय लिटिगेशन कम करने में सफल होगा : झारखंड हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस अनिरुद्ध बोस ने कहा कि समावेशी न्याय लिटिगेशन को कम करने में सफल होगा। साथ ही सबसे पिछड़े और गरीब लोगों को न्याय और विकास तक ले जाने का माध्यम होगा।

हरिवंश ने कहा-समावेशी न्याय सदन ऐतिहासिक कदम : राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने कहा कि समावेशी न्याय सदन एक ऐतिहासिक कदम है। कानून और न्याय आम आदमी के लिए भगवान स्वरूप है। वहीं झालसा के कार्यकारी चेयरमैन जस्टिस डीएन पटेल ने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से त्वरित न्याय मिलता है।

दैनिक जागरण

न्याय सदन का उद्घाटन, गरीबों को निश्शुल्क कानूनी सहायता

न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका तीनों मिलकर करेंगे समस्याओं का समाधान

राज्य ब्यूरो, रांची : मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता तभी सफलीभूत होगी जब अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचेगा। लोकतंत्र के तीनों स्तंभों न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका के समन्वय से विकास को प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचाया जा सकता है। सीएम ने रविवार को बड़ाम, नामकुम में आयोजित विधिक सेवा सशक्तिकरण शिविर एवं समावेशी न्याय सदन के उद्घाटन के अवसर पर यह बातें कहीं। यहां गरीबों को निःशुल्क कानूनी सहायता मिल सकेगी। इस न्याय सदन के माध्यम से न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका तीनों का कार्यसंचालन उनके पदाधिकारियों की उपस्थिति में जमीनी स्तर पर हो सकेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकतंत्र की सफलता के लिए हम सब की जिम्मेवारी है कि सभी समन्वय बनाकर गरीब जनता के हित में कार्य करें। कहा, आज रक्षाबंधन के साथ-साथ न्याय के संकल्प का भी दिन है। 7 नवंबर 2016 को समावेशी न्याय सदन का शिलान्यास हुआ और 21 माह बाद इसका उद्घाटन हो रहा है। सीएम ने इसके लिए राज्यसभा सदस्य परिमल नथवाणी और झालसा के कार्यकारी चेयरमैन जस्टिस डीएन पटेल को भी बधाई दी। बड़ाम गांव का विकास सांसद आदर्श ग्राम के तहत हो रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक वर्ष में यह पांचवां आयोजन है जो झालसा की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से 20 लाख लोग लाभान्वित हुए हैं तथा 1,60,598 छात्र और छात्राओं को उनकी छात्रवृत्ति के 18 करोड़ 86 लाख 37 हजार रुपये सीधे उनके खाते में भेजे गए हैं। झालसा के कार्यकारी चेयरमैन जस्टिस डीएन पटेल ने विस्तार से समावेशी न्याय सदन के कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि लोक अदालत के माध्यम से जल्दी और त्वरित न्याय मिलता है। इस अवसर पर झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश तथा अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

नक्सली हिंसा में मारे गए संजेश महतो के भाई को सौंपा नियुक्ति पत्र : इस मौके पर उग्रवादी हिंसा में मारे गए संजेश महतो के आश्रित भाई मनोज महतो को अनुकंपा के आधार पर तृतीय वर्ग में नौकरी के लिए नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। वहीं, नक्सली हिंसा में मारे गए लोगों के परिजनों को 50-50 हजार रुपये की सहायता राशि भी दी गई।

- सीएम ने कहा, अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचेगा तभी लोकतंत्र सफल
- 25 सितंबर को पीएम कर सकते हैं स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ

विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर एवं समावेशी न्याय सदन के उद्घाटन के मौके पर मनोज महतो को नियुक्ति पत्र देते मुख्यमंत्री रघुवर दास और उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अनिरुद्ध बोस। साथ में हैं राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश • जागरण

किसने क्या कहा

समावेशी न्याय सदन एक ऐतिहासिक कदम है तथा इसका स्पष्ट प्रभाव देखने को मिलेगा। कानून और न्याय आम आदमी के लिए भगवान समान है।

-हरिवंश, राज्यसभा के उपसभापति

समावेशी न्याय विधि मंत्रालय को काम करने में सफल होगा। साथ ही सबको शिक्षा और गरीब लोगों को न्याय और विकास तक ले जाने का माध्यम होगा।

-अनिरुद्ध बोस, मुख्य न्यायाधीश

केरल के लिए रवाना की गई राहत सामग्री

इस मौके पर केरल के लिए जिला प्रशासन रांची द्वारा राहत के लिए उपयोगी सामग्री के एक ट्रक को मुख्यमंत्री ने रवाना किया। इस मौके पर कल्याण विभाग की ओर से छात्र-छात्राओं को करीब 19 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति भी प्रदान की गई। लाभुकों को ट्राय साइकिल से लेकर रोजगार के लिए पशु पालन और कृषि उपकरण भी वितरित किए गए।

सबको मिलेगी स्वास्थ्य सुविधा

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय की जयंती 25 सितंबर से पूरे देश में आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हो रही है। झारखंड भी इसकी शुरुआत के लिए तैयार है। सीएम ने कहा कि हमारी कोशिश होगी कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 सितंबर को झारखंड की धरती से विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना का शुभारंभ करें। इस योजना का लाभ झारखंड के 57 लाख परिवार को मिलेगा। सबको स्वास्थ्य सुविधा मिले यह सपना पूरा होगा।

समावेशी न्याय सदन में मिलेगी ये सुविधाएं

विशेष लोक अदालत, स्थायी लोक अदालत, प्रज्ञा केंद्र, पूछताछ काउंटर, निःशुल्क विधिक सहायता केंद्र, मुखिया का कार्यालय, विधिक जागरूकता पुस्तकालय, प्रशिक्षण सभागार, ई-मेल एवं इंटरनेट सुविधा, टेलीफोन सुविधा, एनजीओ एवं सीआइएस, वेब कांफ्रेंसिंग सहित अन्य सुविधाएं।